महालक्ष्मी मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, एक लाख से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

अर्धरात्रि सिंह लग्न में दक्षिण भारतीय पद्धति से हुआ विशेष कोशांबा पूजन, 108 आटे के दीपकों से माता का अर्चन

खंडवा। दीपावली पर्व पर लाल चौकी स्थित खंडवा की महारानी श्री महालक्ष्मी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। सुबह मंगला आरती से शुरू हुआ दर्शन का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, दीपावली के अवसर पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता महालक्ष्मी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। विशेष धार्मिक आयोजनों के बीच अर्धरात्रि में दक्षिण भारतीय पद्धति से होने वाला पारंपरिक कोशांबा पूजन आकर्षण का केंद्र रहा।

मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष शैलेष पालीवाल ने बताया कि दीपावली पर सुबह 5.30 बजे मंगला आरती और 6 बजे काकड़ा आरती के साथ धार्मिक आयोजन शुरू हुए। इसके बाद माता का केसर, चंदन और कस्तूरी इत्र से लेपन कर विशेष शृंगार किया गया। सुबह 8 बजे शृंगार आरती, 9 बजे यम दीपदान, 10 बजे विशेष पूजन एवं कुमकुम अर्चन और दोपहर 12 बजे नैवेद्य आरती हुई। मंदिर गर्भगृह में पांच विद्वान ब्राह्मणों द्वारा प्रदेश और खंडवा नगर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए श्रीसूक्त, लक्ष्मी सूक्त और पुरुष सूक्त का पाठ किया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शाम 7 बजे विशेष कुबेर पूजन हुआ। रात 8 बजे माता को मखाना, गन्ना, बेलपत्र की माला और स्वर्ण आभूषणों से सुसज्जित कर 108 दीपकों से महाआरती की गई।





श्रद्धालुओं ने कमल पुष्प, खील-बताशे, मिठाई, साड़ी, सुहाग सामग्री और श्रीफल अर्पित किए। रात 11 बजे मंदिर के सामने आतिशबाजी भी की गई। दीपावली की विशेष धार्मिक परंपरा के तहत रात 1.30 बजे महानिशा काल के सिंह लग्न में दक्षिण भारतीय पद्धति से मंदिर के पुजारी पं. बसंत महोदय ने कोशांबा पूजन संपन्न कराया। इस दौरान माता को साढ़े नौ मीटर लंबी केसरिया रंग की विशेष कोसा साड़ी धारण कराई गई। यह साड़ी वर्ष में केवल दीपावली की मध्यरात्रि में ही पहनाई जाती है और सूर्योदय से पहले बदल दी जाती है। मुख्य यजमान डीएल पटेल सपत्नीक एवं कृष्णा खंडेलवाल ने पूजन में सहभागिता की। कुमकुम, केसर, गाय के दूध, कि़शमिश, मुनक्का और माता के प्रिय कमल पुष्प से ललिता सहस्त्रनाम के साथ अर्चन-अभिषेक किया गया। इसके बाद 64 योगिनियों का पूजन कर 108 आटे के दीपक प्रज्वलित किए गए तथा मालपुए का भोग लगाया गया। मध्यरात्रि की विशेष आरती के बाद खीर, किशमिश और मुनक्का का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। सूर्योदय से पहले माता का पुनः केसर-चंदन और इत्र से लेपन कर नई साड़ी धारण कराई गई तथा विश्राम आरती की गई। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल, सचिव राकेश झंवर, मधुकांता खंडेलवाल, लखनलाल नागौरी, अखिलेश गुप्ता, गुरमीत सिंह ओबेजा, चंद्रशेखर मिश्रा, डॉ. राकेश शुक्ला, आनंद गुप्ता, अलकेश गुप्ता, संजय शुक्ला, संतोष यादव, सुनील जैन,मंगलेश उपाध्याय, दीपक पालीवाल, राकेश पालीवाल, शरद खंडेलवाल, शैलेष पालीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

आज अन्नकूट महोत्सव- ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल एवं सचिव राकेश झंवर ने बताया कि 11 नवंबर को भाईदूज पर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया जाएगा। सुबह 5.30 बजे मंगला आरती और 6 बजे काकड़ा आरती होगी। इसके बाद 256 प्रकार के नैवेद्य का भोग लगाया जाएगा। सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक भोग दर्शन एवं भोग आरती होगी। दोपहर 4 बजे से रात 8 बजे तक अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया जाएगा। ट्रस्ट ने नगरवासियों से महोत्सव में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

बलखड़ सुरा हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले शतचंडी महायज्ञ में मुख्यमंत्री को आमंत्रण



खंडवा। छैगांव माखन स्थित बलखड़ सुरा हनुमान मंदिर वाटिका परिसर में विश्व शांति एवं सभी के कल्याण हेतु 22 नवंबर से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले शतचंडी महायज्ञ की तैयारियां जहां भव्य रूप ले रही हैं, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शतचंडी महायज्ञ के लिए इस महायज्ञ में नागपुर से संघ प्रमुख मोहन भागवत एवं केंद्रीय परिवहनमंत्री नितिन गडकरी को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया, उसी क्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को दीपावली पर्व के अवसर पर श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास में समिति के संरक्षक योगी श्री जगन्नाथ महाराज बलखड़ सुरा हनुमान मंदिर एवं नर्मदानंद महाराज अमरकंटक, राजेश्वरानंद महंत तारापीठ बंगाल, समिति प्रमुख शुभम जैन, समिति आयोजक राकेश बंसल, ओमानंद महाराज, यमुनानंद भोला बाबा, अनिल तिवारी, चेतन मंडलोई, जितेंद्र दुबे, रामचंद्र मौर्य, अभिनेष सिंह तोमर ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री डॉक्टर मोहन यादव को दीपावली पर्व पर प्रत्यक्ष शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया वही शतचंडी महायज्ञ समिति प्रमुख समाजसेवी शुभम जैन ने मुख्यमंत्री को दुप्पट्टा ओढ़ाकर यज्ञ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

एआईएमआईएम नेता बिलाल पेंटर की सदस्यता बहाल, पार्षद शाकिरा बिलाल पेंटर का इस्तीफा अस्वीकार

खंडवा। एआईएमआईएम में संगठनात्मक एकजुटता और आपसी समन्वय को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पार्टी नेता बिलाल पेंटर की सदस्यता बहाल कर दी गई है, वहीं पार्षद शाकिरा बिलाल पेंटर का इस्तीफा भी अस्वीकार कर दिया गया है।



इन फैसलों को प्रदेश नेतृत्व की सकारात्मक सोच और संगठन को साथ लेकर चलने की नीति के रूप में देखा जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में अनुशासन प्राधिकारी नफीस मंशा की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनकी पहल और संगठनात्मक स्तर पर किए गए प्रयासों से दोनों मामलों के सकारात्मक समाधान का रास्ता बना। प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसा निर्णय लिया, जिससे संगठन से जुड़े लोगों को साथ बनाए रखने का संदेश गया है। बिलाल पेंटर सदस्यता बहाल होने से अब वे फिर से पार्टी में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। वहीं, पार्षद शाकिरा बिलाल पेंटर का इस्तीफा भी पार्टी ने अस्वीकार कर दिया है अब वह संगठन से जुड़ी अपनी जिम्मेदारी पहले की तरह निभाती रहेंगी। प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान की दूरदर्शी सोच और नफीस मंशा के प्रयासों से निकले इस समाधान को संगठनात्मक परिपक्वता के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक संगठनों में मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन बातचीत और सकारात्मक निर्णय से रास्ता निकालना नेतृत्व की असली क्षमता मानी जाती है। इन फैसलों से एआईएमआईएम में एकजुटता और मजबूती की उम्मीद बढ़ी है पार्टी के इस फैसले से कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है।

करोली में जुआ खेलते 9 आरोपी गिरफ्तार, 1.63 लाख का मश्रुका जब्त

खंडवा। जुआ एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मांधाता थाना और करोली चौकी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ग्राम करोली में राजपूत समाज मांगलिक भवन के पीछे जुआ खेल रहे 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 23 हजार 250 रुपए नकद, 52 ताश के पत्ते और दो मोटरसाइकिलें जब्त कीं। जब्त मश्रुका की कुल कीमत 1 लाख 63 हजार 250 रुपए बताई गई है। कार्रवाई एसडीओपी मूंदी दिव्या झारिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनोख सिंधिया एवं चौकी प्रभारी अखिलेश मंडलोई के नेतृत्व में की गई। आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।



पुनासा उद्वहन सिंचाई योजना के चांदेल तालाब से नहर में जल प्रवाह शुरू

युवा नेता दीपक पटेल ने पूजा-अर्चना कर किया जल प्रवाह का शुभारंभ, किसानों को मिलेगी सिंचाई के लिए राहत

खंडवा/मुंदी। मंगलवार को पुनासा उद्वहन सिंचाई योजना के अंतर्गत बीआर-1 चांदेल तालाब से नहर में जल प्रवाह शुरू हो गया है। युवा नेता दीपक पटेल ने पूजा-अर्चना कर विधिवत रूप से नहर में पानी छोड़ने का शुभारंभ किया।

नहर में जल प्रवाह शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को रबी फसलों की सिंचाई के लिए बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही योजना के बीआर-2 केनूद तालाब एवं बीआर-3 दुधवास तालाब से भी आगामी एक-दो दिनों में किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होने लगेगा। तीनों जलाशयों से नहरों में पानी पहुंचने के बाद क्षेत्र के किसानों को रबी सीजन की फसलों की सिंचाई में सुविधा मिलेगी। समय पर पानी उपलब्ध होने से किसानों को अपनी फसलों की बेहतर सिंचाई करने में मदद मिलेगी।



सिंचाई का रकबा बढ़ने से किसानों मे खुशहाली- पुनासा उद्वहन सिंचाई परियोजना खंडवा जिले के किसानों के लिए विकास की एक महत्वपूर्ण सौगात साबित हो रही है। इस वृहद सिंचाई परियोजना के माध्यम से क्षेत्र के करीब 110 गांवों की लगभग 35 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। परियोजना से क्षेत्र में खेती-किसानी की तस्वीर बदलने के साथ किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने का अवसर मिला है।

तीन तालाबों से मिलता है सिंचाई का पानी- इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण तीन चरणों में किया गया है। इसके अंतर्गत भादलीखेड़ा,केनूद एवं दुधवास गांवों में तीन जलाशयों का निर्माण किया गया है। इन जलाशयों के माध्यम से पानी को संग्रहित कर पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए किसानों के खेतों तक पहुंचाया जाता है।आधुनिक तकनीक से खेतों तक पहुंच रहा पानी पुनासा उद्वहन सिंचाई परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी आधुनिक भूमिगत पाइपलाइन व्यवस्था है। परंपरागत नहरों और खुले जलमार्गों के स्थान पर भूमिगत पाइपलाइन का उपयोग किया गया है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर कल से प्रभात फेरियां, 21 को निकलेगा नगर कीर्तन

खंडवा। गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाशोत्सव को लेकर सिख समाज में उत्साह है। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में श्री गुरु सिंह सभा की ओर से 12 से 20 नवंबर तक नौ दिवसीय प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी। प्रतिदिन सुबह 5 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गुरुनानक पुरा से प्रभात फेरी शुरू होगी। हर दिन शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर संगत को गुरु वाणी और भक्ति से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्रभात फेरियों का सिलसिला 12 नवंबर को आनंद नगर से शुरू होगा। इसके बाद 13 नवंबर को एलआईजी कॉलोनी, 14 को पदम नगर, 15 को सेंट्रल मोटर्स क्षेत्र, 16 को गुरुनानक पुरा, 17 को देवतलाई, 18 को कुंडलेश्वर वार्ड, 19 को पंजाब कॉलोनी और 20 नवंबर को आनंद नगर स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर साहिब क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली जाएगी।

21 को नगर कीर्तन, 22 को बाल दरबार- प्रकाशोत्सव के मुख्य आयोजनों के तहत 21 नवंबर को दोपहर 3 बजे से नगर कीर्तन निकाला जाएगा। इसमें शामिल होने वाले पुरुषों से सफेद वस्त्र और बसंती दस्तार तथा महिलाओं से सफेद सूट और बसंती दुपट्टा पहनकर आने की अपील की गई है।

जिला चिकित्सालय की अव्यवस्थाओं को लेकर सद्भावना मंच ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को किया ट्वीट

लिफ्ट बंद रहने, स्ट्रेचर और दवाइयों की कमी सहित कई समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग

खंडवा। स्थानीय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला चिकित्सालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर सद्भावना मंच के सदस्यों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री को ई-मेल और ट्वीट के माध्यम से शिकायत भेजकर व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की है।

सद्भावना मंच के अध्यक्ष प्रमोद जैन ने बताया कि जिला चिकित्सालय में अनेक समस्याएं एवं अनियमितताएं हैं, जिनका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की लिफ्ट आए दिन बंद हो जाती है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।



ऊल्लेखनीय है कि खंडवा विधायक द्वारा भी लिफ्ट को तत्काल चालू करवाने की मांग की जा चुकी है। वहीं, खंडवा कलेक्टर ने भी संबंधित अधिकारियों को इस समस्या पर फटकार लगाते हुए लिफ्ट को निर्बाध रूप से चालू रखने के निर्देश दिए थे। प्रमोद जैन ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं हो पाते, जिसके कारण परिजनों को मरीजों को स्वयं उठाकर ले जाना पड़ता है। इसके अलावा आवश्यक दवाइयां भी कई बार स्टॉक में उपलब्ध नहीं रहतीं, जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने एक अन्य गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बड़े-बड़े डॉक्टरों के केबिन के बाहर केवल उनके नाम लिखे मिलते हैं, जबकि ड्यूटी के दौरान नए डॉक्टर दिखाई देते हैं। इस व्यवस्था में भी पारदर्शिता और सुधार की आवश्यकता है। सद्भावना मंच ने मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री से मांग की है कि जिला चिकित्सालय की सभी समस्याओं की जांच करवाकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर सद्भावना मंच के प्रमोद जैन, डॉ. जगदीश चंद्र चौरे, देवेंद्र जैन, सुरेंद्र गीते, पंडित के.के. व्यास, त्रिलोक चौधरी, अर्जुन बुंदेला, राधेश्याम शाक्य, गणेश भावसार, सुभाष मीणा, कैलाश पटेल सहित अन्य सदस्यों ने भी ट्वीट के माध्यम से अस्पताल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की।

तनावमुक्त जीवन और मधुर संबंधों का मिलेगा संदेश

'वाह जिंदगी वाह' शिविर 14 से

ब्रह्माकुमारीज़ खंडवा का आयोजन; मुंबई के प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर प्रो. ई.वी. गिरिश देंगे जीवन को खुशहाल बनाने के सूत्र

खंडवा। ब्रह्माकुमारीज खंडवा द्वारा 14 से 18 नवंबर तक पांच दिवसीय राजयोग एवं व्यक्तित्व विकास शिविर 'वाह जिंदगी वाह' का आयोजन किया जा रहा है। नवदशक दीपोत्सव के विशेष अवसर पर आयोजित इस शिविर में तनावमुक्त जीवन, सकारात्मक सोच, मधुर संबंध और आंतरिक प्रसन्नता के माध्यम से जीवन को खुशहाल बनाने का संदेश दिया जाएगा।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया शिविर प्रतिदिन शाम 6 से 8 बजे तक उमिया भवन धर्मशाला, गणेश गौशाला के पास, जूनी इंदौर बायपास रोड, खंडवा में आयोजित होगा। इसमें मुंबई से पधार रहे प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच एवं राजयोग प्रशिक्षक प्रोफेसर ई.वी. गिरिश अपने प्रेरणादायी उद्बोधन और व्यावहारिक जीवन सूत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे।

पांच विषयों पर होंगे विशेष सत्र- समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि पांच दिवसीय शिविर में प्रतिदिन जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें तनावमुक्त जीवन, संबंधों में मधुरता, स्वास्थ्य आपके हाथों में, परम सत्ता का ज्ञान और राजयोग ध्यान शामिल हैं। इन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को जीवन की चुनौतियों का सकारात्मकता के साथ सामना करने और मन की शांति बनाए रखने के उपाय बताए जाएंगे। ब्रह्माकुमारीज संस्था अपनी 90 वर्षों की आध्यात्मिक एवं मानवीय सेवा यात्रा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जागृति का संदेश दे रही है। इसी उद्देश्य से आयोजित यह शिविर आहरी खुशियों के साथ आंतरिक सुख, शांति और आनंद का अनुभव कराने का अवसर बनेगा। आयोजकों ने खंडवा एवं आसपास के नागरिकों, माताओं-बहनों, युवाओं और परिवारों से सपरिवार शिविर में शामिल होकर जीवन को नई उमंग, ऊर्जा और दिशा देने की अपील की है। शिविर में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

पार्श्वनाथ और आदिनाथ भगवान के शिखरों पर चढ़ाई नवीन धर्म ध्वजा

जैन मंदिर में चौधरी परिवार एवं अत्तर परिवार को ध्वजा चढ़ाने का मिला सौभाग्य

खंडवा। दीपावली के दूसरे दिन मंगलवार 10 मई को प्रातः 8 बजे सराफा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धार्मिक उल्लास और भक्तिभाव के साथ मंदिर के द्वितीय तल पर श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री आदिनाथ भगवान के शिखरों पर नवीन धर्म ध्वजा चढ़ाई गई। पंडित निखलेश जैन के निर्देशन में विधि-विधान एवं धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समाज के मीडिया प्रभारी सुनील जैन एवं प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि पार्श्वनाथ भगवान के शिखर पर नवीन धर्म ध्वजा फहराने का सौभाग्य श्रीमती राजकुमारी स्व. विनय चौधरी, श्रीमती स्वीटी सुधांशु चौधरी, श्रीमती ऋषिका रूपांशु चौधरी, देवांशी जैन, दर्शित जैन, देवांश जैन , रियांशी जैन परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं आदिनाथ भगवान के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराने का सौभाग्य श्रीमती विनोद उदय जैन (मुंबई) एवं श्रीमती रानी नितिन कमलचंद जैन परिवार को प्राप्त हुआ। ध्वजारोहण के पश्चात समाज के ट्रस्टियों द्वारा पुरानी धर्म ध्वजाएं ध्वजारोहण करने वाले परिवारों को सम्मानपूर्वक समर्पित की गईं। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष वीरेंद्र भटयाणं, ट्रस्टी राजेश जैन, अतुल जैन, संकल्प प्रिंस जैन, तरुण जैन, प्रेमांशु जैन अधिवक्ता, पंकज जैन महल, प्रेमांशु चौधरी,सुनील जैन, डॉ. सुभाष जैन, चौथमल जैन,,नरेंद्र बादशाह,पुष्पेंद्र जैन,मीना जैन, श्रीमती राजकुमारी चौधरी, श्रीमती अंशुमा चौधरी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में चौधरी परिवार की ओर से प्रभावना वितरित की गई। पोरवाड़ दिगंबर जैन समाज के मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि धर्म ध्वजा चढ़ाने वाले परिवारों का चयन समाज में आयोजित बोलियों के माध्यम से किया जाता है। इस अवसर पर पंडित निखलेश जैन ने बताया कि दीपावली के दूसरे दिन श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री आदिनाथ भगवान के शिखरों पर धर्म ध्वजा चढ़ाने की वर्षों पूर्व की परंपरा है। मान्यता है कि शिखर पर फहराई गई धर्म ध्वजा वर्षभर ध्वजा चढ़ाने वाले परिवार के जीवन में धन-धान्य, समृद्धि, सुख एवं वैभव का आशीर्वाद लेकर आती है। वर्ष में एक बार ही शिखर पर नवीन धर्म ध्वजा चढ़ाई जाती है।

